आयुक्त का कार्यालय
Office of the Commissioner
केंद्रीय जीएसटी, अपील अहमदाबाद आयुक्तालय
Central GST, Appeals Ahmedabad Commissionerate
जीएसटी भवन, राजस्व मार्ग, अम्बावाड़ी, अहमदाबाद-380015
GST Bhavan, Ambawadi, Ahmedabad-380015
Phone: 079-26305065 - Fax: 079-26305136
E-Mail : commrappl1-cexamd@nic.in
Website : www.cgstappealahmedabad.gov.in

सत्यमेव जयते

NATION TAX MARKET

By SPEED POST

DIN:- 20240364SW0000318743

(क)	फ़ाइल संख्या / File No.	GAPPL/COM/STP/6171/2023 /4182 -86
(ख)	अपील आदेश संख्याऔर दिनांक / Order-In –Appeal and date	AHM-EXCUS-002-APP-293/23-24 dated 22.03.2024
(ग)	पारित किया गया / Passed By	श्री ज्ञानचंद जैन, आयुक्त (अपील) Shri Gyan Chand Jain, Commissioner (Appeals)
(घ)	जारी करने की दिनांक / Date of Issue	30.03.2024
(ङ)	Arising out of Order-In-Original No. GST-06/D-VI/O&A/789/JAYANTI/AM/2022-23 dated 23.3.2023 passed by The Assistant Commissioner, CGST Division-VI, Ahmedabad North	
(च)	अपीलकर्ता का नाम और पता / Name and Address of the Appellant	Jayanti Dhanabhai Prajapatia 650/3/Prajapati Was, Shilaj, Ahmedabad- 380054

कोई व्यक्ति इस अपील-आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील अथवा पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है, जैसा कि ऐसे आदेश के विरुद्ध हो सकता है।

Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal or revision application, as the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way.

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन:-

Revision application to Government of India:

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अतत नीचे बताए गए मामलों के बारे में पूवोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अधीन सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली: 110001 को की जानी चाहिए :-

A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4th Floor, Jeevan Deep Building, Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid : -

(क) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानिकार खाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार मे हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse.

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलें में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित है।

In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

(ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।

In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

(घ) अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो डयूटी केडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं 2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हो।

Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनाँक से तीन मास के भीतरमूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ का मुख्य शीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(3) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रूपये या उससे कम होतो रूपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्नरकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपीलः-
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35-बी/35-इ के अंतर्गतः-
Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

(2) उक्तलिखित परिच्छेद में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में 2nd माला, बहुमाली भवन, असरवा, गिरधरनागर, अहमदाबाद-380004।

To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at 2ndfloor, Bahumali Bhawan, Asarwa, Girdhar Nagar, Ahmedabad: 380004. In case of appeals other than as mentioned above para.

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registar of a branch of any nominate public

sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated.

(3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल ओदश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता हैं।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

(4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संषोधित की अनुसूची -1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूलआदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रतिपर रू 6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

(5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention in invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) एके प्रति अपीलो के मामले में कर्तव्यमांग (Demand) एवं दंड (Penalty) का 10% पूर्व जमा करना अनिवार्य है। हालांकि, अधिकतम पूर्व जमा 10 करोड़ रुपए है। (Section 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994)

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सेवाकर के अंतर्गत, शामिल होगा कर्तव्य की मांग (Duty Demanded)।

(1) खंड (Section) 11D के तहत निर्धारित राशि;
(2) लिया गलत सेनवैट क्रेडिट की राशिय;
(3) सेनवैट क्रेडिट नियमों के नियम 6 के तहत देय राशि।

यह पूर्व जमा ' लंबित अपील' में पहले पूर्व जमा की तुलना मेंए अपील' दाखिल करने के लिए पूर्व शर्त बना दिया गया है।

For an appeal to be filed before the CESTAT, 10% of the Duty & Penalty confirmed by the Appellate Commissioner would have to be pre-deposited, provided that the pre-deposit amount shall not exceed Rs.10 Crores. It may be noted that the pre-deposit is a mandatory condition for filing appeal before CESTAT. (Section 35 C (2A) and 35 F of the Central Excise Act, 1944, Section 83 & Section 86 of the Finance Act, 1994).

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

(i) amount determined under Section 11 D;
(ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
(iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

(6) (i) इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."

ORDER-IN-APPEAL

The present appeal has been filed by M/s. Jayanti Dhanabhai Prajapati, situated at 650/3, Prajapati Was,Shilaj, Ahmedabad-380054 (hereinafter referred to as "the appellant") against Order-in-Original No. GST-06/D-VI/O&A/789/Jayanti/AM/2022-23 dated 23.03.2023 passed by The Assistant Commissioner, Central GST, Div-VI, Ahmedabad North (hereinafter referred to as "the adjudicating authority").

2. Briefly stated, the facts of the case are that the appellant are holding PAN No ALJPP0498D. On scrutiny of the data received from the Central Board of Direct Taxes (CBDT) for the FY 2016-17, it was noticed that the appellant has shown Rs. 15,93,314/- as "Sales of Service" in their ITR filed with the Income Tax Department. Details are as under:-

Year	Sales of services(ITR)	Service Tax Nott paid (in Rs.)
2016-17	15,93,314/-	2,38,997/-

The appellant was not registered with the service tax department. Therefore they were called upon explanation along with the supporting documents viz. balance sheet, P & L Account, Income Tax Returns, Form 26AS and ST-3 for the concerned period. However, the appellant neither submitted any documents nor responded in satisfactory manner.

2.1 Therefore, the appellant were issued the SCN F. NO. GST-06/04-1797/Jayanti/2021-22 dated 18.10.2021 demanding Service Tax amounting to Rs. 2,38,997/- for the period F.Y. 2016-17 under Section 73 of the Finance Act, 1994. The SCN also proposed recovery of interest under Section 75 and imposition of penalties under Section 70 of the Finance Act, 1994 read with Rule 7C of the Service Tax Rules,1994, Section 77, and Section 78 of the Finance Act, 1994.

2.2 The Show Cause Notice was adjudicated ex parte, vide the impugned order by the adjudicating authority wherein the demand of Service Tax total amounting to Rs. 2,38,997/- for F.Y. 2016-17 was confirmed under proviso to Sub-Section (1) of Section 73 of the Finance Act, 1994 along with Interest under Section 75 of the Finance Act, 1994. Further (i) Penalty of Rs. 2,38,997/- was also imposed on the appellant under Section 78 of the Finance Act, 1994; (ii) Penalty of Rs. 5,000/- was imposed on the appellant under Section 77 of the Finance Act, 1994 and (iii) Penalty/late fee of Rs. 40,000/- was imposed on the appellant under Section 70 of the Finance Act, 1994 read with Rule 7C of the Service Tax Rules, 1994.

3. Being aggrieved with the impugned order passed by the adjudicating authority, the appellant have preferred the present appeal on the following grounds:

- The appellant submitted that he was engaged in providing GTA services and the same are covered under reverse charge mechanism and the service tax liability was upon the service recipient as per Noti. No 30/2012-ST dated 20.06.2012.they have furnished the copies of Form 26AS, P&L statement for the relevant period and sales register but the adjudicating authority didn't consider the same and passed the OIO.

- The appellant submitted that the demand raised on the basis of the reconciliation of income shown in ITR with the books of account without further enquiry and considering the submission is not legally sustainable. They denied all the demand confirmed vide impugned OlO and requested that same may be quashed and set-aside.

4. Personal hearing in the case was held on 18.03.2024. Shri Hem Chhajed, Chartered Accountant, appeared on behalf of the appellant for personal hearing and stated that the client is GTA and providing services to clients who are liable to pay service tax under RCM.

5. I have carefully gone through the facts of the case, grounds of appeal, submissions made in the Appeal Memorandum, during the course of personal hearing and documents available on record. The issue to be decided in the present appeal is whether the impugned order passed by the adjudicating authority, confirming the demand of service tax against the appellant along with interest and penalty, in the facts and circumstance of the case, is legal and proper or otherwise. The demand pertains to the period 2016-17.

6. I find that in the SCN in question, the demand has been raised for the period FY 2016-17 based on the Income Tax Returns filed by the appellant as the appellant failed to respond to departmental letters. Further the demand was also confirmed by the adjudicating authority ex parte.

7. It is observed that the main contentions of the appellant in the appeal memorandum is that they have provided their service of transportation of goods by road to various body corporate and partnership firms. While going through the submission, from the Form-26AS for the F.Y. 2016-17 it is seen that the appellant has received Rs. 7,72,593/- from M/s Bluetex Private Limited and Rs. 6,90,593/- from M/s Bluetex(I) Private Limited. Being both the service recipient body corporate, the service tax liability comes upon them under RCM as per Notification No 30/2012-ST dated 20.06.2012. On debiting the income Rs. 14,63,186/- received from both above service recipients, the remaining income comes as Rs. 1,30,128/- and the same has been received from M/s Niranjan sales, M/s Sharddha Chemicals, M/s MP Corporation and M/s Poorab Sales Corporation which is evident form "freight Income" ledger account . The appellant has also furnished the ST-2 certificates of all 04 firms registered with the service tax department. From the 4th alphabet of their PAN No, the status of PAN holder may be ascertained. PAN no is a format of ABCTY1234D. The first three characters, i.e. 'ABC' in the above number is an alphabetic series ranging between AAA and ZZZ. The 4th

character, i.e. 'T', represents the PAN holder's status. The alphabet 'T' represents Trust, 'F' for Firm, 'H' for HUF, 'P' for Individual, 'C' for Company etc. While going through the PAN no of all above 04 firms, it is seen that all are holding status of "Firm".The GTA income received from above firms is also exempted as per Noti. No. 30/2012 dated 20.06.2012(Entry No A(ii)(f)).

8. In view of the above, I am of the considered view that the appellant has provided the GTA service to various body corporate and firms and in this situation, service tax liability comes upon the service recipient under RCM as per Notification No 30/2012-ST dated 20.06.2012. Hence no service tax liability is upon appellant. Since the demand of Service Tax is not sustainable on merits, there does not arise any question of charging interest or imposing penalties in the case.

9. In view of above, I set aside the impugned order and allow the appeal filed by the appellant.

10. अपील कर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है ।

The appeal filed by the appellant stands disposed of in above terms.

(ज्ञानचंद जैन)
आयुक्त (अपील्स)
22-03-2024
Date ~~20.11.2023~~

Attested

Manish Kumar
Superintendent(Appeals),
CGST, Ahmedabad

By RPAD / SPEED POST

To,
M/s. Jayanti Dhanabhai Prajapati,
situated at 650/3, Prajapati Was,
Shilaj, Ahmedabad-380054

Appellant

The Assistant Commissioner,
Central GST, Div-VI,
Ahmedabad North

Respondent

Copy to :

1) The Principal Chief Commissioner, Central GST, Ahmedabad Zone
2) The Commissioner, CGST, Ahmedabad North
3) The Assistant Commissioner, Central GST, Div-VI, Ahmedabad North
4) The Assistant Commissioner (HQ System), CGST, Ahmedabad North (for uploading the OIA)
5) Guard File
6) PA file